पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

<u>राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने बाबा साहब के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की</u>

<u>डाॅ0 आंबेडकर का नाम शुद्ध लिखा जाये - राज्यपाल</u>

<u>बाबा साहब ने अपने कृतित्व से महानता अर्जित की है - मुख्यमंत्री</u>

लखनऊ: 6 दिसम्बर, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज डाॅ0 भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर आंबेडकर महासभा द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बाबा साहब के प्रति अपनी आदरांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डाॅ0 दिनेश शर्मा, मंत्री श्री आशुतोष टण्डन, मंत्री श्री स्वामी प्रसाद मौर्य, मंत्री श्री धर्मपाल सिंह, मंत्री श्री बृजेश पाठक, राज्यमंत्री श्रीमती स्वाती सिंह सहित अन्य मंत्रिगण व आंबेडकर महासभा के अध्यक्ष श्री लालजी निर्मल भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा कि डाॅ0 आंबेडकर का नाम लिखने का तरीका कई कारणों से गलत ढंग से प्रचलित है। 'भारत का संविधान' की मूल प्रतिलिपि (हिन्दी संस्करण) के पृष्ठ 254 पर डाॅ0 आंबेडकर द्वारा हस्ताक्षर में अपना नाम डाॅ0 'भीमराव रामजी आंबेडकर' लिखा गया है जबकि आम तौर से लोग डाॅ0 'भीम राव अम्बेडकर' लिखते हैं, जो शुद्ध नहीं है। वैसे ही अंग्रेजी में Dr. 'Bhim Rao Ambedkar' लिखने के स्थान पर Dr. 'Bhimrao Ambedkar' या Dr. 'B.R. Ambedkar' लिखना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि बाबा साहब के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए उनका नाम वैसे ही लिखे जैसे उन्होंने हस्ताक्षर किए हैं। राज्यपाल ने बताया कि उन्होंने इसी दृष्टि से 'डाॅ0 भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा' का नाम 'डाॅ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा' करने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र भी प्रेषित किया है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में शीघ्र कार्यवाही करने की बात कही है। राज्यपाल ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि उन्हें डाॅ0 आंबेडकर को देखने, सुनने और उनसे विचार-विनिमय करने का भी अवसर मिला है।

श्री नाईक ने कहा कि डाॅ0 आंबेडकर ने समाज में व्याप्त कुरीतियों के चलते जो कष्ट उठाये उसका शब्दों में वर्णन मुश्किल है मगर उन्होंने कभी कड़वाहट नहीं पैदा की। बाबा साहब ने मुश्किल हालात में उच्च शिक्षा ग्रहण की तथा अनेक भूमिकाओं में अपनी सेवाएं देश को दी। संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के नाते संविधान को शब्द देना, सबको साथ लेकर चलना तथा समन्वय करके प्रारूप बनाना मुश्किल काम था जिसे युगों तक भारतवासी याद रखेंगे। संविधान के शिल्पी के रूप में उन्होंने संविधान में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, न्यायपालिका आदि के दायित्वों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने सबको समान अवसर, न्याय और मतदान का अधिकार भी दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डाॅ0 भीमराव आंबेडकर ने लोकतंत्र के रूप में भारत को स्थापित करने तथा देश को संविधान देने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई है। भारत के संविधान का धर्मग्रंथों जैसा सम्मान किया जाता है। बाबा साहब छुआ-छूत और भेदभाव जैसे सामाजिक विकृतियों का भी शिकार हुए मगर सामाजिक बुराईयों को सहन करके उच्चतम शिक्षा ग्रहण की। बाबा साहब का मानना था कि शिक्षा के माध्यम से समाज सम्मानजनक तरीके से आगे बढ़ सकता है। बाबा साहब ने संविधान के शिल्पी के रूप में काम किया, पर अपने ऊपर हुए भेदभाव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने अपने कृतित्व से महानता अर्जित की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहब से जुड़े स्थलों को पंचशील के रूप में विकसित करने का काम किया है। केन्द्र और राज्य सरकार बाबा साहब से जुड़े स्थलों को सम्मानजनक स्थान देने तथा समतामूलक समाज के प्रति संकल्पबद्ध है। प्रदेश सरकार ने बाबा साहब व अन्य महापुरूषों से जुड़ी महत्वपूर्ण तिथियों पर अवकाश के बजाय शैक्षिक संस्थानों में उनके बारे में जानकारी देने का निर्णय लिया है। ऐसे महापुरूषों का जीवनवृत्त पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा आर्थिक रूप से पिछड़ों के लिए विशेष योजनाएं चला रही है ताकि उनको समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

कार्यक्रम में आंबेडकर महासभा के अध्यक्ष श्री लालजी निर्मल ने भी अपने विचार रखे। राज्यपाल ने इस अवसर पर यह भी बताया कि बाबा साहब को दीक्षा देने वाले बौद्ध धर्म गुरू प्रज्ञानन्द जी को आदरांजलि व्यक्त करने के लिए आगामी 15 दिसम्बर को राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद का लखनऊ आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

इस अवसर पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति उत्पीड़न निवारण एवं सशक्तीकरण केन्द्र का उद्घाटन भी किया गया।

अंजुम/ललित/राजभवन (450/9)

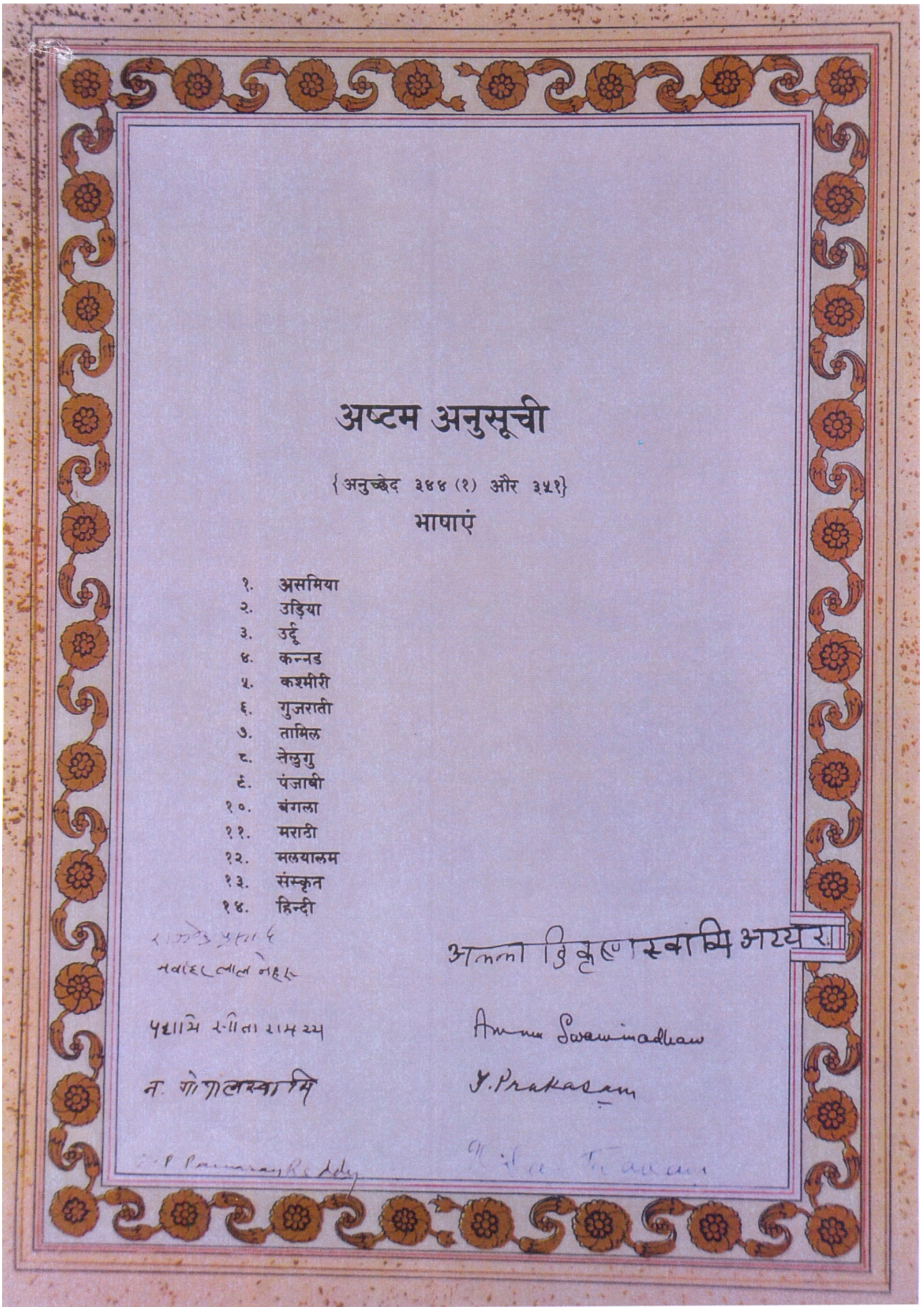

अष्टम अनुसूची

{अनुच्छेद ३४४ (१) और ३५१}

भाषाएं

१. असमिया
२. उड़िया
३. उर्दू
४. कन्नड
५. कश्मीरी
६. गुजराती
७. तामिल
८. तेलुगु
९. पंजाबी
१०. बंगला
११. मराठी
१२. मलयालम
१३. संस्कृत
१४. हिन्दी

Annu Swaminadhan

T. Prakasam

कळा वेंकटराव

वन्द्या

पं. अनंतशयनं आयंगार

नीलम संजीव रेड्डि

जि दुर्गाबाई

मोसलिकंटि तिरुमलराव

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

घनश्याम सिंह

जयरामदास दौलतराम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ओ. वि. अलगेशन

[illegible]

T. J. M. Wilson

[illegible]

[illegible]

भीमराव रामजी आंबेडकर

दास - नागप्पा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

शेख मोहम्मद अब्दुल्लाह

Mahboob Ali Baig

[illegible]

V. Ramaiah

[illegible]

[illegible]

Thakur Lalsingh

प्रद्युम्नसिंह परमार

भवानजी अ. खिमजी

Girija Sankar Guha
श्री गिरिजाशंकर गुह

जीवराज ना. मेहता

[illegible]

[illegible]

रतनलाल मालवीय

कृष्णसिंह

ब. ह. ज़ैदि

டி. ஏ. இராமலிங்கம் செட்டியார்

सच्चिदानन्द सिंह

बि. एन. राओ

Jerome D'Souza Prabhu s.j.
जेरोम डिसूज़ाप्रभु एस.जे.

Ramnath Goenka
रामनाथ गोयंका

फीरोज गान्धी

हरेकृष्ण महताब

सुन्दरलाल

© लोक़ सभा सचिवालय, नई दिल्ली, 1999

हिन्दी प्रतिलिपि—प्रबन्धक, भारत सरकार, फोटो लिथो मुद्रणालय, नई दिल्ली द्वारा निर्मित की गई।

सुलेखन-कार्य—श्री वसन्त कृष्ण वैद्य द्वारा किया गया चित्रण-कार्य की अनुकृति सर्वश्री अरुण कुमार दास, चित्तरंजन पकड़ाशी, शीतांशु कुमार राय और रामेश्वर सरन श्रीवास्तव द्वारा की गई।

हिन्दी प्रतिलिपि का मुद्रण-कार्य—श्री सुधीर कुमार जैन, मैसर्स जैनको आर्ट इंडिया, नई दिल्ली द्वारा किया गया।

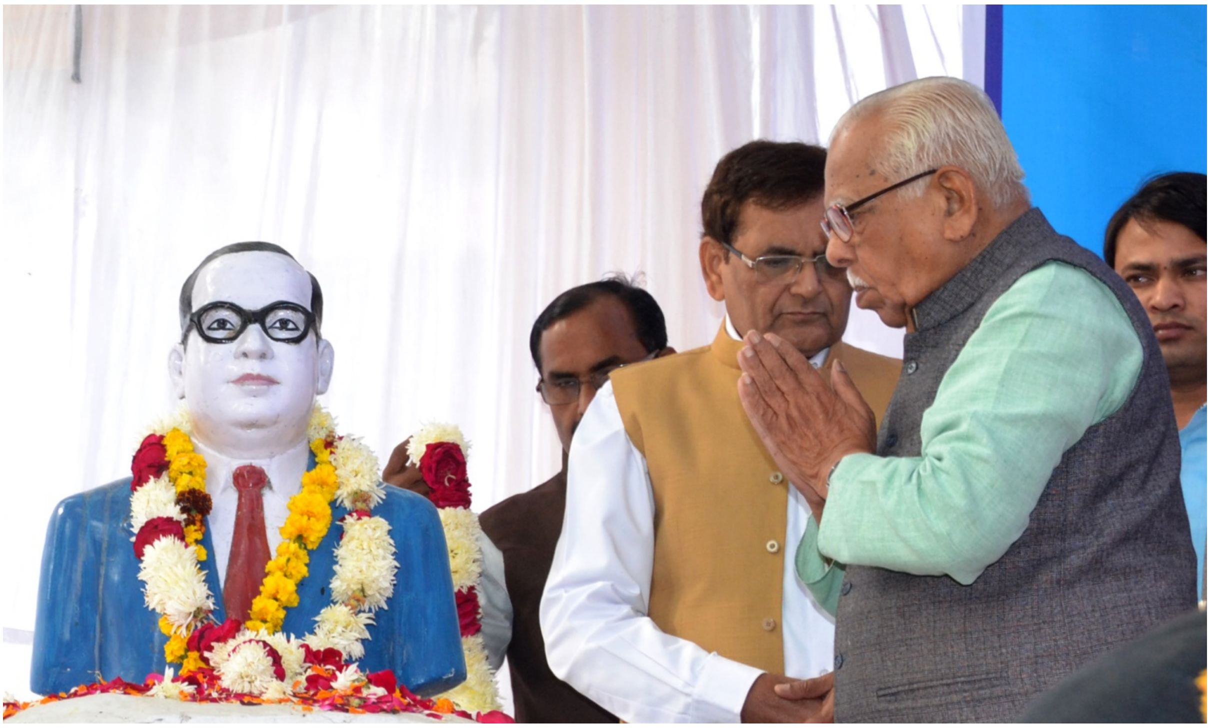

भारतरत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर
के तत्वावधान में
बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर
के परिनिर्वाण दिवस पर
श्रद्धांजलि सभा
तिथि एवं समय : 6 दिसम्बर 2017, प्रातः 10:00 बजे